उदयपुर कॉलेज में 2024 के संदर्भ में एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

रिपोर्टर आमोद तिवारी

उदयपुर विकासखण्ड के शासकीय राज कुमार धीरज सिंह महाविद्यालय मे 8 जनवरी 2024 को विकसित भारत ञ्च2024 के संदर्भ मे एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन। विकसित भारतञ्च2047 भारत सरकार की एक पहल है जिसमे युवा 2047 तक जँहा भारत की आज़ादी को 100 वर्ष पुरे होंगे वह भारत कैसा होना चाहिए और युवा पीढ़ी इस बारे मे क्या विचार रखती है... इसको द्व4द्श1.द्वठ्ठ के माध्यम से पंजीयन कर अपने विचार सरकार तक पहुँचा सकती है.. तथा सर्वश्रेष्ठ तीन विचार को पुरुस्कार भी प्रदान करने की प्रक्रिया है जिसमे प्रथम को 5 लाख, द्वितीय 3 लाख, तृतीय 2 लाख रूपये पुरुस्कार की राशि है. छात्रों को विकसित भारत के पंजीयन एवं फीडबैक देने हेतु बताया गया जिसे विस्तार से नोडल अधिकारी श्री उमेश ओहदार ने बताया तथा महाविद्यालय की प्रिंसिपल वंदना पांडेय ने विकसित भारत बनाने के लिये किन विषयो पर ध्यान दिया जाना चाहिए उन पर अपनी विचार रखे उन्होंने कहा की सुशासन, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक-सामाजिक समता, हर हाथ को हुनरमंद, होने पर जोर दिया, साथ ही साथ विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी की सहभागिता को भी ध्यान मे रखने को कहा. महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री रवि शंकर मनहर ने उर्जा संरक्षण, उसके सही विकल्प का चुनाव, विज्ञान के क्षेत्र मे शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने की बात की ... इस कार्यशाला मे महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक तथा भारी संख्या मे छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

उदयपुर कॉलेज में 2024 के संदर्भ में एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

सरगुजा उदयपुर ट्रैक सीजी न्यूज़ (इबरार खान) उदयपुर विकासखण्ड के शासकीय राज कुमार धीरज सिंह महाविद्यालय मे 8 जनवरी 2024 को विकसित भारत ञ्च2024 के संदर्भ मे एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन। विकसित भारतञ्च2047 भारत सरकार की एक पहल है जिसमे युवा 2047 तक जँहा भारत की आज़ादी को 100 वर्ष पुरे होंगे वह भारत कैसा होना चाहिए और युवा पीढ़ी इस बारे मे क्या विचार रखती है... इसको द्व4द्द1.द्वठ्ठ के माध्यम से पंजीयन कर अपने विचार सरकार तक पहुँचा सकती है.. तथा सर्वश्रेष्ठ तीन विचार को पुरुस्कार भी प्रदान करने की प्रक्रिया है जिसमे प्रथम को 5 लाख, द्वितीय 3 लाख, तृतीय 2 लाख रूपये पुरुस्कार की राशि है. छात्रों को विकसित भारत के पंजीयन एवं फीडबैक देने हेतु बताया गया जिसे विस्तार से नोडल अधिकारी श्री उमेश ओहदार ने बताया तथा महाविद्यालय की प्रिंसिपल वंदना पांडेय ने विकसित भारत बनाने के लिये किन विषयो पर ध्यान दिया जाना चाहिए उन पर अपनी विचार रखे उन्होंने कहा की सुशासन, पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक-सामाजिक समता, हर हाथ को हुनरमंद, होंने पर जोर दिया, साथ ही साथ विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी की सहभागिता को भी ध्यान मे रखने को कहा. महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक श्री रवि शंकर मनहर ने उर्जा संरक्षण, उसके सही विकल्प का चुनाव, विज्ञान के क्षेत्र मे शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने की बात की ... इस कार्यशाला मे महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक तथा भारी संख्या मे छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner